

**राज्यपाल ने मोहर्रम पर आयोजित फोटो-चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया**

लखनऊ: 27 अक्टूबर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज ललित कला अकादमी, लाल बारादरी, लखनऊ में मोहर्रम पर आयोजित एक फोटो-चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कुलपति, ख्वाजा मोइनउद्दीन चिश्ती उद्दू, अरबी-फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ डॉ० खान मसूद अहमद, पूर्व कुलपति श्री अनीस अंसारी, प्रो० साबरा हबीब, डॉ० शारिब रूदौलवी, श्री मीर अब्दुल्ला जाफर, श्री अतहर नबी सहित अनेक विद्वत्जन उपस्थित थे। राज्यपाल ने इस अवसर पर श्री आदित्य कुमार को गरीब बच्चों को शिक्षित करने के लिए तथा श्री मनीष तिवारी को पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए निशान-ए-इमाम हुसैन अवार्ड से सम्मानित किया।

राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मोहर्रम के महीने में इमाम हुसैन को याद करते हैं। मुस्लिम, हिन्दू और ईसाई धर्म में भी दुःख के क्षण हैं जैसे ईसामसीह को सूली पर चढ़ाना तथा भगवान राम को युवराज होते हुए भी अयोध्या छोड़कर वनवास जाना। उन्होंने कहा कि सुख बाटने से बढ़ता है और दुःख बाटने से कम होता है।

श्री नाईक ने कहा कि लखनऊ में हिन्दू राजा झाऊलाल ने इमामबाड़ा बनवाया तो मुस्लिम नवाबों ने मंदिरों के लिये धन व स्थान दिये। यह एकता का संदेश महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एकता के संदेश को लेकर आगे बढ़े तो हमारा देश आगे और प्रगति कर सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन हमें एकता और सौहार्द का संदेश देते हैं।

राज्यपाल ने इस अवसर पर प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा उसकी प्रशंसा भी की।

-----



